



**CLASS: III**

**SESSION NO :5**

**SUBJECT : (HINDI)**

**CHAPTER NAME&NO-पाठ- १० आगे बढ़ना सीखो।**

**SUB -TOPIC- अभ्यास कार्य- ४ संदर्भ से तथा व्याकरण।**

**CHANGING YOUR TOMORROW**

😊😊 सीखने का उद्देश्य 😊😊

🌸 पठित बोध के ज्ञान में बृद्धि हो पाना।

🌸 व्याकरण की कुशलता में बृद्धि हो पाना।

**पाठ – १० \* आगे बढ़ना सीखो \* ।**

# अभ्यास कार्य – ४

 संदर्भ से

 व्याकरण।

संदर्भ से

वाक्य- देश घर्म से प्यार करो,  
दिन दुखी के कष्ट हरो।

सही उत्तर दें-

प्रश्न- देश प्रेम से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न - आप गरीबों की मदद कैसे करेंगे?

प्रश्न – देश के मुख्य अरियों का सामना कैसे करोगे ?

प्रश्न - जीवन में आगे बढ़ने के लिए सबसे ज़रूरी बात क्या है ?

संदर्भ से

वाक्य- देश घर्म से प्यार करो,  
दिन दुखी के कष्ट हरो।

उत्तर – जो व्यक्ती सच्चे मन से अपने देश की तरक्की के बारे में सोचता है, सही मायने में वह अपनी मातृभूमि से प्रेम करता है।

उत्तर- हम गरीबों की मदद उनकी ज़रूरतों को पूरा करके कर सकते हैं ।

उत्तर – देश के मुख्य अरियों का सामना हम अपनी चतुराई तथा धैर्य से करेंगे।

उत्तर - जीवन में आगे बढ़ने के लिए सबसे ज़रूरी बात यह है ,हमें हर हालात का सामना इटकर करते हुए मेहनत तथा कोशिश का साथ कभी ना छोड़ें।

1. अनुस्वार तथा अनुनासिक वाले दो दो शब्द लिखें।
2. 'र' के तीन अलग – अलग रूपों से बनने वाले दो दो शब्दों को लिखें।
3. 'है' तथा 'हैं' लगाकर एक एक वाक्य बनाओ।
4. गणेश तथा मित्र का समान अर्थ वाले शब्द लिखें।

1. अनुस्वार- संकट, हंस तथा अनुनासिक – कहाँ, वहाँ वाले शब्द।
2. 'र' का सामान्य रूप – राह, रथ रेफ़- धर्म, कर्म पदेन – प्रणाम, ड्रामा ।
3. 'है' – मदन एक अच्छा लड़का है।
4. 'हैं' – आज पाठशाला तथा बाज़ार बंद हैं।
4. गणेश – गजानन, गणपति, लंबोदर  
मित्र – सखा, दोस्त, साथी



# अध्ययन के परिणाम

 पठित बोध के ज्ञान में बृद्धि हो पाना।

 व्याकरण की कुशलता में बृद्धि हो पाना।

**THANKING YOU**  
**ODM EDUCATIONAL GROUP**